University in News on 16 January 2020

HINDUSTAN

लखनऊ विवि: कुलपति ने किया जिम का निरीक्षण

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बुधवार को वाणिज्य विभाग के पास स्थित छात्रों के लिए बना महाराज सिंह जिम्नेजियम व स्नातक और परास्नातक मूल्यांकन केन्द्र का निरीक्षण किया।

इस दौरान जिम के अंदर दीवारों पर सीलन और जाली टूटी मिली। कुलपति ने जिमनेजियम को सही कराने के निर्देश दिए हैं। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय सुबह छात्रों के व्यायाम के लिए बनाए गए महाराज सिंह जिम्नेजियम का निरीक्षण करने पहुंच गए। उनके साथ लविवि एथलेटिक एसोसिएशन के चेयरमैन डॉ. नीरज जैन भी मौजूद थे। कुलपति ने जिम के अंदर लगी हाईटेक मशीनें देखीं। इस दौरान जिम के अंदर सीलन व जाली टूटी हुई पाई गई। उसे जल्द ही सही कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि जिम काफी समय से बंद था। अभी हाल ही में खोला गया है। इसके बाद कुलपति शारीरिक शिक्षा विभाग भी पहुंचे। कुलपति ने परिसर में स्नातक व परास्नातक मूल्यांकन केन्द्र का भी निरीक्षण किया और व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए।

AMAR UJALA-MY CITY

एक साथ होगा लुंबा और आईएमएस का संचालन

सचिन त्रिपाठी

लखनऊ विश्वविद्यालय के कई विभाग और संस्थानों में संरचनात्मक और कार्यात्मक बदलाव की तैयारी

कई विभाग और संस्थान का स्थान बदलने की तैयारी

लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय विवि में कई विभाग और संस्थान के कुशल संचालन के लिए उनके स्थान बदलने पर भी मंथन कर रहे हैं। माना जा रहा है कि बदलाव के बाद सभी को समान और पर्याप्त स्थान, संसाधन और सुविधाएं मिल सकेंगी। इस समय विवि में कई विभागों की स्थिति बेहद खराब है। यही हाल यहां के संस्थानों का है।

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में विभागों तथा संस्थानों में बड़े बदलाव की तैयारी की जा रही है। इसके तहत कई विभाग और संस्थान का स्थान बदला जाएगा। इसके साथ ही विभाग और संस्थानों में संरचनात्मक और कार्यात्मक बदलाव की योजना भी तैयार की जा रही है।

सबसे पहले लखनऊ यूनिवर्सिटी मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (लुंबा) और इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (आईएमएस) का संचालन एक साथ करने की तैयारी की जा रही है। दोनों में ही एमबीए की डिग्री दी जाती है, लेकिन इनका संचालन अलग-अलग किया जाता है। बदलाव के बाद इन दोनों का संचालन एक साथ एक ही कैंपस में करने की योजना है। फिलहाल लुंबा पुराने और आईएमएस का संचालन नए परिसर में किया जाता है। बदलाव के बाद आईएमएस का संचालन लुंबा के अधीन किया जा सकता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में एमबीए के दो पाठ्यक्रम संचालित हैं। लुंबा में एमबीए की रेगुलर और सेल्फ फाइनेंस की 120-120 सीटें हैं। दूसरी तरफ प्रबंधन विभाग से अलग आईएमएस में भी एमबीए पाठ्यक्रमों का संचालन होता है। इसमें एमबीए एचआर, मार्केटिंग, फाइनेंस में 120-120 और एमबीए मार्केटिंग तथा मास्टर ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवेल मैनेजमेंट में 60-60 सीटें हैं। इन दोनों में ही एमबीए की डिग्री दी जाती है, लेकिन इनकी स्थिति में बहुत अंतर है। एक तरफ लुंबा में दाखिले के लिए मारामारी रहती है, वहीं दूसरी ओर आईएमएस में सीट तक नहीं भर पाती हैं। विवि के नवनियुक्त कुलपति खुद ही प्रबंधन विभाग के शिक्षक हैं। इसलिए उन्होंने आईएमएस की कायाकल्प की योजना तैयार की है। इसमें बड़े बदलाव के तहत दोनों का संचालन एक साथ करने पर विचार किया गया है। इस पर अंतिम मुहर लगाने से पहले विवि की विभिन्न बॉडीज से पास किया जाएगा। इसके बाद इनका संचालन एक साथ शुरू हो जाएगा।

मंजूरी के बाद ही लागू होंगे बदलाव

> आईएमएस की स्थिति सुधारने के लिए उसमें बड़े स्तर पर सुधार किया जाएगा। इसके साथ ही विवि के कई विभाग और संस्थानों में स्ट्रक्चरल और फंक्शनल बदलाव किया जाएगा। इन प्रस्तावों को विवि की कार्य परिषद समेत अन्य बॉडीज के सामने रखा जाएगा। वहां से पास होने के बाद बदलाव लागू कर दिया जाएगा। - प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लविवि

विषय और शोध प्रविधि से आएंगे 50-50 फीसदी सवाल

लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन शुरू

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार सुबह छह बजे से पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई। परीक्षा 16 मार्च से प्रस्तावित है। 70 नंबर की प्रवेश परीक्षा में 50 फीसदी सवाल शोध प्रविधि और 50 फीसदी संबंधित विषय पर आधारित होंगे। विषय के सवाल विवि में परास्नातक पर पढ़ाए जा रहे सिलेबस से होंगे।

पीएचडी की 492 सीटों के लिए आवेदन की अंतिम तारीख छह फरवरी और एक हजार रुपये विलंब शुल्क के साथ 10 फरवरी तय की गई है। पीएचडी में सामान्य और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आवेदन शुल्क दो हजार रुपये तथा एससी-एसटी वर्ग के लिए एक हजार रुपये तय किए गया है। आवेदन फॉर्म बुधवार से विवि की वेबसाइट www.lkouniv.acin पर भरे जा सकते हैं। एक अभ्यर्थी को अधिकतम दो विषय में आवेदन करने की छूट दी गई है। इसके लिए उसे एक ही पंजीकरण नंबर का उपयोग करना होगा। हालांकि दो विषय में आवेदन करने में उन्हें फीस में कोई छूट नहीं मिलेगी और दो गुना फीस देनी होगी। अलग-अलग पंजीकरण करने पर अभ्यर्थी को दो आवेदक माना जाएगा। ऐसी स्थिति में उसे सिर्फ एक विषय की प्रवेश परीक्षा देने का मौका ही दिया जाएगा।

70 अंकों की होगी प्रवेश परीक्षा

अभी तय नहीं हुआ सिलेबस

पीएचडी प्रवेश परीक्षा में दो भाग होंगे। पहले भाग में शोध प्रविधि तथा दूसरे में विषय आधारित सवाल होंगे। परीक्षा बहु विकल्पीय प्रणाली पर होगी। शोध प्रविधि के प्रश्नपत्र में पूछी जाने वाले सिलेबस पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। जल्द ही इस पर फैसला किया जाएगा। दूसरा पेपर पूरी तरह से विषय आधारित होगा। परीक्षा में 50 फीसदी अंक लाने पर ही उन्हें साक्षात्कार के योग्य माना जाएगा। साक्षात्कार 30 नंबर का होगा।

एससी-एसटी, ओबीसी को न्यूनतम अर्हता में पांच फीसदी छूट

पीएचडी के लिए आवेदन करने के लिए परास्नातक स्तर पर न्यूनतम 55 फीसदी अर्हता निर्धारित की गई है। हालांकि एससी-एसटी और ओबीसी अभ्यर्थियों को इसमें पांच फीसदी छूट मिलेगी। यह छूट केवल परास्नातक के अंकों में ही मान्य होगी। प्रवेश परीक्षा के अंक में किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी।

न्यूनतम तीन और अधिकतम छह वर्ष होगी अवधि

पीएचडी के लिए विवि ने यूजीसी की गाइडलाइन के हिसाब से न्यूनतम तीन और अधिकतम तीन छह साल अवधि निर्धारित की है। अधिकतम अवधि में दिव्यांग और महिला अभ्यर्थियों को दो वर्ष तक की छूट दी जा सकती है। महिला अभ्यर्थी पीएचडी के दौरान 240 दिन का प्रसूति और चाइल्ड केयर लीव भी ले सकेंगी।

NBT

राजभवन की तर्ज पर एलयू में शुरू होगा फाइल ट्रैकिंग और लीव मैनेजमेंट सिस्टम

एक क्लिक में फाइल भी छुट्टी भी

■ एनबीटी, लखनऊ

राजभवन की तर्ज पर लखनऊ विश्वविद्यालय में भी जल्द ही फाइल ट्रैकिंग और लीव मैनेजमेंट की व्यवस्था लागू होगी। इस व्यवस्था के बाद कार्यालय से लेकर किसी भी शिक्षक की फाइल कहां और किसके पास है, यह एक क्लिक में पता चल जाएगा। वहीं, शिक्षकों की छुट्टी भी ऑनलाइन मंजूर होगी। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने जल्द ही ये व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं।

एलयू के कार्यालयों में कई बार फाइलें नहीं मिलने और पेंडिंग रहने की शिकायतें आती रहती हैं। इसे देखते हुए वीसी ने कैंपस में फाइल ट्रैकिंग सिस्टम लागू करने की योजना बनाई है। इसके लिए एक सॉफ्टवेयर भी डिवेलप किया जाएगा। इस सिस्टम में हर फाइल को स्कैन करके सारी सूचनाएं सॉफ्टवेयर पर फीड की जाएंगी। इसके बाद फाइल पर बार कोड लगाया जाएगा, जिससे फाइलों को आसानी से ट्रैक किया जा सकेगा। इससे लोगों की जिम्मेदारी भी तय हो सकेगी। वहीं लीव मैनेजमेंट सिस्टम के तहत शिक्षक अपनी छुट्टी की अप्लिकेशन ऑनलाइन भेज सकेंगे, जिसकी मंजूरी भी ऑनलाइन मिलेगी। वीसी ने बताया कि राजभवन में यह व्यवस्था देखने के बाद लागू किया जा रहा है।

पढ़ाई के साथ पैसा भी कमाएंगे स्टूडेंट्स

एलयू में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स पढ़ाई के साथ पैसा भी कमा सकेंगे। इसके लिए जल्द ही विश्वविद्यालय एक स्कीम लागू करेगा। इसके तहत एक दिन में दो घंटे कम्प्यूटर वर्क पर पारिश्रमिक दिया जाएगा।

सैलरी पे स्लिप भी मिलेगी ऑनलाइन

अब सैलरी पे स्लिप भी ऑनलाइन ही निकाली जा सकेगी। यह व्यवस्था जल्द शुरू होगी। इससे कागज और शिक्षकों का समय बचेगा। शिक्षकों को इसके लिए लेखा विभाग में दौड़ लगाने से राहत मिलेगी।

कमिटी में भी होंगे छात्र

एलयू में आईक्यूएससी, लाइब्रेरी, ऑर्गेनाइजेशन कमिटी से लेकर हर कमिटी में छात्रों को शामिल किया जाएगा। वीसी ने बताया कि इससे छात्र अपनी बात कह सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय की स्थिति को भी समझेंगे।

वैरिफिकेशन करवाने से लेकर रिजल्ट देखें 'बीटीई मोबाइल ऐप' पर

प्राविधिक शिक्षा परिषद की बोर्ड बैठक में लिया गया फैसला

■ एनबीटी, लखनऊ : पॉलिटेक्निक संस्थानों के स्टूडेंट्स को अब मार्कशीट वैरिफिकेशन से लेकर किसी भी जानकारी के लिए बोर्ड कार्यालय के चक्कर लगाना नहीं पड़ेगा। उन्हें ये सभी जानकारी 'बीटीई मोबाइल ऐप' पर ही मिलेगी। प्राविधिक शिक्षा परिषद की बुधवार को हुई बोर्ड बैठक में इसे मंजूरी मिली। यह सुविधा फरवरी में शुरू होगी, जिसका लाभ वर्ष 2017 से अभी तक के स्टूडेंट्स उठा सकेंगे।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्राविधिक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष विद्या सागर गुप्ता ने बताया कि 'बीटीई मोबाइल ऐप' से आसानी से संस्था और ब्रांच का भी सिलेक्शन किया जाएगा। परिषद सचिव संजीव कुमार सिंह ने बताया कि ऐप पर मार्कशीट का वैरिफिकेशन करवाने के अलावा रिजल्ट भी जान सकेंगे। इसके अलावा परीक्षा आवेदन पत्र, पुनर्मूल्यांकन, स्क्रूटनी के लिए आवेदन पत्र भी इसी ऐप पर मिलेगा।

ऑनलाइन होंगी मेधावियों की कॉपियां

यूपी बोर्ड की तर्ज पर पॉलिटेक्निक संस्थानों के मेधावियों की कॉपियां भी ऑनलाइन देख सकेंगे। साथ ही अच्छा प्लेसमेंट पाने वाले अभ्यर्थियों का नाम भी परिषद की वेबसाइट अपलोड किया जाएगा, जिससे दूसरे छात्र इनसे प्रेरणा ले सकें। बैठक में विधान सभा सदस्य डॉ. श्याम बिहारी लाल ने प्लेसमेंट को बेहतर करने का भी सुझाव दिया। बैठक में बतौर सदस्य विधायक राजीव कुमार सिंह, प्राविधिक शिक्षा निदेशक आरसी राजपूत, आईआरडीटी के निदेशक मनोज कुमार सहित अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।